आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-24, भोपाल, 16 से 31 अक्टूबर 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

जिसकी लेखनी बतायी गई कमजोर

नई दिल्ली। साल 2016 के बहुप्रतिष्ठित व बहुप्रतिक्षित मैन बुकर पुरस्कार घोषित किए जा चुके हैं. ऐसा मैन बुकर पुरस्कार के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी अमेरिकी ने इस पुरस्कार को जीता है. इस वर्ष पॉल बीटी ने यह पुरस्कार जीता है. उन्हें उनकी उपन्यास 'द सेलआउट' के लिए इस वर्ष मैन बुकर पुरस्कार से नवाजा गया है. पॉल की उम्र 54 साल है और वे लॉस एंजिलिस में पैदा हुए थे. साथ ही वे अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अध्यापन का कार्य भी करते हैं. मैन बुकर पुरस्कार के जजिंग पैनल में शामिल जानकारों का मानना है कि पॉल का नॉवेल अमेरिका की समकालीन नस्लीय राजनीति पर करारा कटाक्ष है. वे बहुत ही सधे अंदाज में सबकी खबर लेते हैं और पता तक चलने नहीं देते. उनकी लेखनी में पाठकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रहने की अद्भुत क्षमता है।

बसपा-सपा का कोई मेल-जोल नहीं, भाजपा कर रही भ्रामक प्रचारः मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बुधवार को कहा कि सूबे में विधानसभा चुनाव 2017 का आगाज हो गया है। इसलिए भाजपा मिथ्या व भ्रामक प्रचार कर बसपा - सपा के आपस में मिले होने की बात कर रही हैं,जबकि दोनों का नाम मात्र का कोई सियासी मेल-जोल नहीं है। मायावती ने यहां जारी एक बयान में कहा कि सूबे में अभी विधानसभा आमचुनाव के लिये तिथि की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पार्टी भाजपा की तरह ही, मिथ्या व भ्रामक प्रचार में अभी से ही जुट गये हैं। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड के महोबा रैली के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में बसपा-सपा पर सियासी मिलीभगत होने का आरोप लगाया है जो एकदम गलत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दो जून 1995 को लखनऊ के स्टेट गेस्ट हाऊस में सपा नेतृत्व द्वारा उन पर कराये गये जानलेवा हमले के अक्षम्य अपराध के बाद बसपा ने कभी भी सपा से कोई नाम मात्र का भी सियासी मेल-जोल नहीं रखा है।

"त्रिकाल दृष्टि" समाचार पत्र के एक साल पूर्ण होने पर सभी पाठकों का आभार व्यक्त करते है।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं

दीपावली

की हार्दिक शुभकानाएं देते है।

येदियुरप्पा को 40 करोड़ घूस लेने के मामले में राहत

बेंगलुरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को बड़ी राहत देते हुए सीबीआई की एक विशेष अदालत ने उन्हें, उनके दो पुत्रों और दामाद को अवैध खनन से जुड़े 40 करोड़ रुपए के दलाली मामले में बरी कर दिया.

खचाखच भरे अदालत कक्ष में फैसला सुनाते हुए न्यायाधीश आरबी धरमागौदेर ने दलाली के मामले में नौ अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया.

इस मामले के कारण ही वर्ष 2011 में तत्कालीन लोकायुक्त न्यायमूर्ति संतोष हेगड़े ने येदियुरप्पा पर अभियोग लगाया था और उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा था. सीबीआई ने अक्तूबर 2015 में येदियुरप्पा, उनके पुत्रों बी वाई राघवेन्द्र, बी वाई विजयेन्द्र और दामाद सोहन कुमार, बेल्लारी की एक निजी स्टील कंपनी तथा शिमोगा में पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा संचालित एक ट्रस्ट के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था. आरोप पत्र में आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे. इस मामले में येदियुरप्पा को अक्तूबर 2011 में तीन सप्ताह तक जेल में भी रहना पड़ा था. बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी. फैसले के तत्काल बाद येदियुरप्पा ने ट्वीट किया 'सत्यमेव जयते, न्याय हुआ, मेरी बात सही साबित हुई.' भाजपा की राज्य इकाई के इस दिग्गज नेता ने फैसले पर खुशी जताते हुए संवाददाताओं से कहा, मैं खुश हूं कि झूठे और राजनीति से प्रेरित आरोप खारिज कर दिए गए. इस साल के शुरू में येदियुरप्पा को भाजपा की कर्नाटक इकाई का अध्यक्ष बनाया गया. उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले से भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं को राहत मिली है और उन्हें

अगले साल राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में पार्टी को एक बार फिर सत्ता में लाने के लिए 'नई ऊर्जा' मिली है।

चेयरमैन की पोस्ट से इस तरह से हटाए जाने से शॉक्ड हूं

मुंबई। टाटा ग्रुप के चेयरमैन पोस्ट से हटाए जाने के बाद पहली बार साइरस मिस्त्री ने इस मामले पर बयान दिया है। उन्होंने टाटा बोर्ड को एक ई-मेल लिखा है। कहा- इस तरह से पद से हटाए जाने से शॉक्ड हूं। बता दें कि सोमवार को मिस्त्री को टाटा चेयरमैन के पोस्ट से हटा दिया गया था। मिस्त्री ने ईमेल में क्या लिखा...

- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिस्त्री ने लिखा है, इस फैसले से वे शॉक्ड हैं। उन्हें अपनी बात रखने का मौका तक नहीं दिया गया। बोर्ड ने अपनी साख के मुताबिक काम नहीं किया।
- मिस्त्री ने लिखा, "टाटा संस और ग्रुप कंपनियों के स्टेकहोल्डर्स के प्रति जिम्मेदारी निभाने में डायरेक्टर्स विफल रहे और कॉरपोरेट गवर्नेंस का कोई ख्याल नहीं रखा गया।"
- कॉरपोरेट स्ट्रैटजी नहीं होने के आरोप के जवाब में मिस्त्री ने कहा कि टाटा संस बोर्ड को उन्होंने 2025 तक की स्ट्रैटजी सौंप दी थी।
- मिस्त्री ने कहा, "उन्होंने शुरुआत में रतन टाटा और लॉर्ड भट्टाचार्या का ग्रुप को लीड करने का ऑफर ठुकरा दिया था, लेकिन कैंडिडेट्स नहीं होने चलते उन्हें आगे लागा गया। साथ ही यह भरोसा दिया गया था कि उन्हें काम करने की पूरी फीडम होगी। इसमें रतन टाटा की भूमिका सलाहकार और गाइड की होगी।"
- "लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अप्वाइंटमेंट के बाद टाटा ट्रस्ट ने एसोसिएशंस के आर्टिकल में संशोधन किया। इसमें ट्रस्ट, टाटा संस बोर्ड और चेयरमैन के बीच इंगेजमेंट के टर्म को बदला गया।"
- नियमों में बदलाव के जरिए टाटा संस के चेयरमैन को रोल को कम किया गया और एक अल्टरनेटिव पावर स्ट्रक्चर तैयार किया गया।

गवर्नर से मिलने पहुंचे अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के यूपी प्रेसिडेंट शिवपाल यादव ने अखिलेश यादव की कैबिनेट के एक मंत्री को पार्टी से बाहर कर दिया। बुधवार को शिवपाल ने बताया कि वन राज्यमंत्री तेज नारायण पांडे उर्फ पवन पांडे पर सपा एमएलसी आशु मलिक से मारपीट का आरोप है। इस बीच, अखिलेश गवर्नर से मिलने पहुंचे हैं। बता दें कि इससे पहले शिवपाल ने अखिलेश के करीबी सपा के नेशनल जनरल सेक्रेटरी रामगोपाल यादव को 6 साल के लिए पार्टी से बाहर किया था। अखिलेश ने शिवपाल समेत 4 लोगों को अपनी कैबिनेट से बाहर किया था। शिवपाल बोले- पार्टी में कोई विवाद नहीं...

- शिवपाल ने सपा ऑफिस में की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी कहा, पार्टी में कोई विवाद नहीं है। परिवार में सब एक हैं। हम नेताजी के साथ हैं।
- जो गुंडई करेगा, दादागीरी करेगा और जिसका आचरण गलत होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे लोग सपा में नहीं रहेंगे।
- बता दें कि पवन पांडे अयोध्या विधानसभा सीट से विधायक हैं। उन पर 8 क्रिमिनल केस हैं। पवन बोले- जय मुलायम, जय अखिलेश
- पवन पांडे ने बताया कि सीएम हाउस कोई छोटा घर नहीं है। वहां हर वक्त सिक्युरिटी वाले होते हैं।

न्यूजीलैंड के पीएम से मिले मोदी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री जॉन की भारत के दौरे पर आए हुए हैं. बुधवार को जॉन की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. पीएम ने कहा कि उनकी जॉन की से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग पर विस्तृत और लाभदायी चर्चा हुई. व्यापार और निवेश को लेकर भी चर्चा हुई। पीएम मोदी ने एक बार फिर आतंकवाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति को प्रभावित करने में प्रमुख चुनौतियों में से एक है. दोनों देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा और खुफिया सहयोग को मजबूत करने को लेकर बात हुई है. पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में भारत को शामिल करने के न्यूजीलैंड के समर्थन का धन्यवाद किया. वहीं न्यूजीलैंड के पीएम जॉन की ने कहा कि न्यूजीलैंड और भारत पहले से ही एक बहुत मजबूत संबंध साझा करते हैं. चाहे वो व्यापार में हो या क्रिकेट में. जॉन की ने भी आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की चिंताओं पर सहमति जताई और कहा कि हम भी हम भी अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद सहित सुरक्षा के मुद्दों पर सीमा पर घनिष्ठ समन्वय जारी रखने पर सहमत हैं.

यशवंत सिन्हा की अगुवाई में 5 सदस्यीय डेलीगेशन

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में तीन महीने से ज्यादा समय से जारी अस्थिरता के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा की अगुवाई में पांच सदस्यीय दल ने घाटी में जारी गतिरोध को खत्म करने के उद्देश्य से मंगलवार को अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी और मीरवाइज उमर फारूक से मुलाकात की. इस दल में जम्मू एवं कश्मीर में सेवा दे चुके पूर्व नौकरशाह वजाहत हबीबुल्ला, पूर्व एयर वाइस मार्शल कपिल काक, पत्रकार भारत भूषण और सामाजिक कार्यकर्ता सुशोभा बर्वे शामिल हैं. प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को श्रीनगर पहुंचा और सीधे हैदरपुरा स्थित गिलानी के घर पहुंचा. उल्लेखनीय है कि सितंबर में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने घाटी के दौरे के दौरान अलगाववादी नेताओं से मिलने की कोशिश की थी, लेकिन गिलानी ने वामपंथी दल के नेता सीताराम येचुरी और तीन अन्य गैर-भाजपाई सांसदों के लिए अपने घर के दरवाजे तक नहीं खोले थे. सिन्हा ने कड़ी सुरक्षा घेरे में अपने घर में नजरबंद गिलानी से मुलाकात के बाद उनके घर के बाहर पत्रकारों से कहा, हमारा मकसद सभी से मुलाकात कर विचार-विमर्श करना था, और हमारा मकसद सफल रहा. प्रतिनिधिमंडल इसके बाद मिरवाइज फारूक से मिलने नगीन स्थित उनके आवास पहुंचा. मिरवाइज को श्रीनगर में एक अतिथि गृह में नजरबंद रखा गया था जहां से वह एक दिन पहले ही अपने घर लौटे हैं. ।

मुख्यमंत्री के द्वारा सोनवलकर की सीडी 'स्मृति के स्वर' का विमोचान

उज्जैन। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने उज्जैन संभाग के संयुक्त आयुक्त श्री प्रतीक सोनवलकर द्वारा स्वरचित गीतों की सीडी 'स्मृति के स्वर' का विमोचन किया। सीडी में मध्यप्रदेश गीत, स्मार्ट विलेज गीत व अन्य देशभक्ति से ओतप्रोत कुल 14 गीत संकलित है। सभी गीत श्री सोनवलकर द्वारा रचित स्वर एवं गाए गए है। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने डॉ पंकजा सोनवलकर द्वारा लिखित उज्जैन संभाग के संदर्भ में विविध, सामाजिक, आर्थिक स्तरों के संदर्भ में शिक्षा का अधिकार का बालिका शिक्षा की समग्र स्थिति पर प्रभाव का समीक्षात्मक अध्ययन पर आधारित शोध ग्रंथ का विमोचन भी किया।

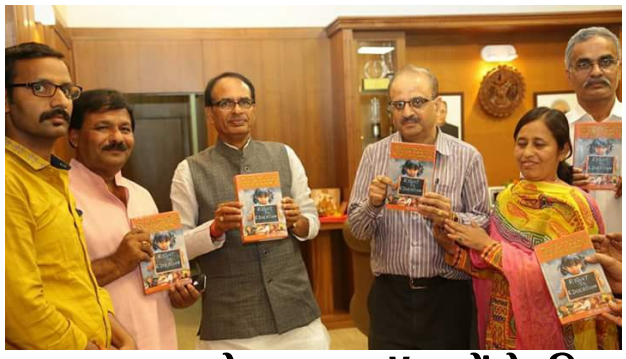

आगर मे 1.5 करोड की अवैध शराब जप्त!

आगर। आगर पुलिस ने दिनांक 1.5 करोड़ की ब्रांडेड अवैध शराब का परिवहन करते हुए एक कंटेनर को पकड़ने में सफलता हासिल की है एसपी आर. एस. मीणा को मिली सुचना के बाद हुई कार्यवाही। कार्यवाही करतें हुए जब कंटेनर को खोला गया तो उसमें से 1.5 करोड़ की ब्रांडेड कंपनी की करीब 850 पैटी जिसमे द ग्लेंनविलेट, विवास 18, एब्सोल्यूट बोदका और सिट्रोन जैसे ब्रांडेड अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की गई। कंटेनर द्वारा यह माल दिल्ली से हैदराबाद ले जाया जा रहा था, पुलिस द्वारा मॉल जब्ती में लेकर ड्राइवर जमदेश खान और क्लीनर दुर्रू खान को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कैण्डल मार्च निकाला गया

आगर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिये शाम 6 बजे थाना परिसर आगर से कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। कैंडल मार्च में पुलिस अधीक्षक श्री आर.एस.मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अनिल पाटीदार, उप पुलिस अधीक्षक आर.सी.गुप्ता, नानसिंह डावर, अरविन्द कुशवाह, भंवरसिंह सिसौदिया, एमएल. चौहान एवं रक्षित निरीक्षक रंजनी चडार सहित स्कूली छात्र एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए, कैंडिल मार्च जय स्तम्भ चौराहे पर समाप्त हुआ।

झोला छाप डॉक्टरों के खिलाफ कलेक्टर ने की कार्यवाही

आगर। जिले में चिकित्सा का व्यवसाय कर रहे अपंजीकृत फर्जी चिकित्सकों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु कलेक्टर श्री डी.व्ही.सिंह द्वारा दल का गठन किया गया दल द्वारा जिले में संचालित फर्जी क्लीनिकों की आकस्मिक जांच की गई। दल में नायब तहसीलदार बड़ौद श्रीमती पूनम तोमर, बीएमओ डॉ. राजीव बरसेना, ड्रग इंस्पेक्टर श्री प्रित स्वरूप सहित स्वास्थ्य विभाग का अमला शामिल था। टीम द्वारा फर्जी क्लीनिकों की जांच की गई तथा अवैध रूप से संचालित क्लीनिक संचालकों पर कार्यवाही की गई। संयुक्त दल द्वारा विजय कानन क्लीनिक राजीव गांधी काम्प्लेक्स सिनेमा रोड छावनी स्थित की जांच की गई। जिसमें संबंधित क्लीनिक संचालक अपंजीकृत फर्जी चिकित्सक विजय मजूमदार के पास कोई डिग्री/डिप्लोमा नहीं पाया गया। इनके द्वारा एलोपैथीक पद्धति से उपचार किये गये ईश्वर पिता मोहनलाल निवासी पुरा का पाईल्स बीमारी का उपचार क्लीनिक पर ही किया गया। दल द्वारा मौके पर पंचनामा बनाकर दवाईयां जब्त की गई। इसके पश्चात् दल द्वारा नाना बाजार में स्थित डॉ. शराफत खान के दवाखाने की जांच की जिसमें डॉ. उपस्थित नहीं पाये गये। इनके प्रतिनिधि के रूप में उनके भाई श्री शेहरियाद खां द्वारा डेन्टल टेक्निशियन के साथ क्लीनिक का संचालन किया जा रहा था। मौके पर दल द्वारा पंचानामा बनाकर कार्यवाही की गई। साथ ही टीम द्वारा एसिड विक्रेताओं की दुकानों की भी जांच की गई। नन्दनी क्राकरी हाऊस सतीरोड़ पर एसिड की बॉटले पाई गई जिन्हें टीम द्वारा जब्त किया गया और उन्हें एसिड विक्रय न करने की हिदायत दी।

रोस्टर निरीक्षण दल गठित

आगर। अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी का वार्षिक रोस्टर निरीक्षण वर्ष 2016-17 माह अक्टूबर का किये जाने हेतु अपर कलेक्टर श्रीमती संघमित्रा गौतम ने रोस्टर निरीक्षण दल का गठन किया है। दल प्रमुख अधीक्षक एस.एस.भूरिया रहेंगे। दल में पंचायत समन्वयक अधिकारी श्री संजय विनोदिया को रखा गया। यह दल अक्टूबर माह के तृतीय सप्ताह में उत्कृष्ट बालिका छात्रावास सुसनेर तथा अक्टूबर माह के चतुर्थ सप्ताह में एकीकृत बाल विकास परियोजना सुसनेर का निरीक्षण करेगा। अपर कलेक्टर श्रीमती गौतम ने इन विभागों के अधिकारी को निरीक्षण के दौरान दल को आवश्यक रिकार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उज्जैन के
विज्ञापन एवं समाचार हेतु
सम्पर्क करें: मुकेश शर्मा, 9425093901
आगर के
विज्ञापन एवं समाचार हेतु
सम्पर्क करें: अशोक परिहार, 9826536618

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट: इससे पहले देश में निजी सेक्टर निवेश के मामले में सरकारी क्षेत्र से पिछड़ रहा है

आखिरी दिन भी निवेशकों में दिखा उत्साह

इंदौर। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे और आखिरी दिन समापन कार्यक्रम के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्री श्री वेंकैया नायडू जी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज इंदौर में उपस्थित थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले से ही यहां मौजूद थे और निवेशकों को और जानकारी दे रहे थे। इस दौरान इंडियन आयल और बीपीसी एल ने ऊर्जा विकास निगम से एमओयू साइन किया गया था। इसके साथ ही सोलर एनर्जी के क्षेत्र में चार एमओयू साइन किए गए हैं।

इससे पहले देश में निजी सेक्टर निवेश के मामले में सरकारी क्षेत्र से पिछड़ रहा है। ऐसे में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इंडिया इंक से अपना बटुआ खोलने की अपील की उन्होंने कहा कि बेहतर मानसून के चलते मांग बढ़ रही है, जबकि महंगाई काबू में आने से ब्याज दरें घटी हैं। इसलिए निजी क्षेत्र सस्ते होते कर्ज व मांग वृद्धि का लाभ उठाने के लिए आगे आए और बढ़-चढ़ कर निवेश करे। वह यहां शनिवार को मध्य प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बोल रहे थे।

जेटली ने कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की रफ्तार सबसे तेज है। यहां सरकारी खर्च और निवेश बहुत तेजी से बढ़ रहा है। अब अगर निजी क्षेत्र भी निवेश में जुट जाए तो देश की अर्थव्यवस्था और भी तेजी से दौड़ पड़ेगी। इस मौके पर अनिवासी भारतीय उद्योगपति गोपीचंद हिंदुजा ने सवाल उठाया कि देश की आर्थिक रफ्तार धीमी है।

इसका जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने उन्हें याद दिलाया कि आमतौर पर निजी क्षेत्र निवेश के मामले में सरकार से आगे रहता है। फिलहाल हम ऐसे मोड़ पर हैं जब इंडिया इंक निवेश में सरकार से पिछड़ रहा है। अब निजी निवेश के ही रफ्तार पकड़ने का इंतजार है। जहां तक विदेशी निवेश का सवाल है, तो ग्लोबल अर्थव्यवस्था में सुस्ती की वजह से वह भी तेजी से भारत की ओर आ रहा है। अच्छे मानसून की वजह से खाद्यान्न की बंपर पैदावार होने की उम्मीद है। इससे महंगाई कम होगी और ग्रामीण क्षेत्र की मांग बढ़ेगी। कम महंगाई के चलते कर्ज और सस्ता होगा। इससे पूंजी की लागत घटेगी। इतने सारे फायदों को देखते हुए इंडिया इंक के सामने निवेश बढ़ाने का यह सबसे बढ़िया समय है।

सारे निवेशकों पर भारी पड़े अकेले रामदेव

योगगुरु बाबा रामदेव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2016 के उद्घाटन सत्र में ऐसा योग किया कि बड़े-बड़े कॉरपोरेट घरानों की नींद उड़ सकती है। दिग्गज उद्योगपतियों की मौजूदगी में बाबा ने एलान किया कि वे टेक्सटाइल के क्षेत्र में भी उतरेंगे। उनकी कंपनी कोट से लंगोट तक बनाएगी। इसके बाद उन्होंने मप्र में तीन साल में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, हर्बल मेडिसिन के क्षेत्र में 10 हजार करोड़ रुपये निवेश का एलान किया। इसके जरिये 10 हजार से ज्यादा लोगों का रोजगार मिलेगा। दावा किया कि पतंजलि समूह की ग्रोथ अगले साल 200 फीसद तक पहुंचा देंगे।

केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की मौजूदगी में शनिवार को यहां दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया गया।

मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक तेजी से प्रगति करने वाला राज्य

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से यूएई के प्रतिनिधि-मण्डल की चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2016 में यूएई के प्रतिनिधि-मण्डल के साथ मुलाकात की और प्रदेश में यूएई के द्वारा किये जाने वाले संभावित निवेश के संबंध में प्रारंभिक चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक तेजी से प्रगति करने वाला प्रदेश है और लगातार चौथे वर्ष 10.2 प्रतिशत आर्थिक विकास दर से प्रगति कर रहा है। कृषि क्षेत्र में भी असीम संभावना है। लगातार चार वर्ष से देश में कृषि उपज का सर्वाधिक उत्पादन प्रदेश कर रहा है। निवेश के क्षेत्र में इसकी भौगोलिक स्थिति निवेशकों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल होने के साथ-साथ देश के सभी राज्यों से आवागमन के बेहतर साधनों से जुड़ा हुआ है। पर्यटन में भी असीम संभावनाएँ हैं। यहाँ की वन संपदा के साथ-साथ वन्य जीवन समृद्ध है। उर्जा के क्षेत्र में प्रदेश में सर्वाधिक बेहतर काम हुआ है।

यूएई के दल ने मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान से चर्चा के दौरान कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश की असीम संभावनाएँ हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2016 की पार्टनर कन्ट्री होने से हम प्रदेश में निवेश करने के इच्छुक हैं। जल्द ही यूएई का निवेश प्रतिनिधि-मण्डल प्रदेश का दौरा करेगा और निवेश की सभी संभावनाओं का आकलन कर मध्यप्रदेश में निवेश करेगा। यूएई के दल को मध्यप्रदेश का वातावरण और इंदौर शहर बहुत पसंद आया। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री चौहान से भी चर्चा की। साथ ही मध्यप्रदेश की भौगोलिक एवं खनिज संपदा के संबंध में भी विचार विमर्श किया।

मल्होत्रा मार्केटिंग प्रा. लि. एवं गौरव चेतना समिति द्वारा झांकियों को पुरस्कृत किया

भोपाल। माँ दुर्गा विसर्जन चल समारोह में अलीगंज जुमेराती भोपाल में गौरव चेतना जन कल्याण समिति (रजि.) द्वारा झांकियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मुकेश हसानीजी, मोनज राठौर, राजीव गुलाटी, धर्मेन्द्र, कौशल एवं मल्होत्रा मार्केटिंग प्रा. लि. (टोपाज ब्लेड) के एरिया सेल्स मैनेजर साकेत तिवारी, ए.एफ.एम. विजय खुशलानी, महेश तलरेजा, टी.एस. दीपक जैन और अमित सैनी उपस्थिति थे।

प्रदेश के विकास के लिए खेती के साथ उद्योग भी जरूरी

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा धार जिले के बदनावर में सुजलान की रोटर ब्लेड निर्माण इकाई का उदघाटन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उद्योग एवं खेती दोनों ही प्रदेश के विकास के लिए जरूरी है। खेती के साथ-साथ बेरोजगार युवाओं को उद्योगों में रोजगार मिल सकेगा। खेत से होने वाले उत्पाद का अच्छा मूल्य किसानों को मिल सके, इसके लिये उद्योग भी जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान धार जिले के बदनावर में सुजलान पवन ऊर्जा रोटर ब्लेड उत्पादन कंपनी का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम में सुजलान कंपनी की यह निर्माण इकाई मील का पत्थर साबित होगी। सुजलान कंपनी के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक श्री तुलसी तांती को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उनके प्रयास से यह उद्योग जल्द ही खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जिले के 450 युवा को इसमें प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है एवं और भी युवाओं को इस निर्माण इकाई में रोजगार मिल सकेगा। श्री चौहान ने कहा कि उद्योग को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जायेंगी। नर्मदा का पानी क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिये भी उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर उद्योग, रोजगार एवं खनिज साधन मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, धार जिले के प्रभारी मंत्री श्री अंतरसिंह आर्य, सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर और विधायक सर्वश्री भँवरसिंह शेखावत, मुकेश पडिया, श्री मनोहर ऊँटवाल, अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ड्रम्स ऑफ मध्यप्रदेश को राज्य संगीत की मिलेगी पहचान : श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ड्रम्स ऑफ मध्यप्रदेश को राज्य संगीत के रूप में पहचान दिलाई जायेगी। इसके आयोजन नियमित रूप से करवाये जायेंगे। श्री चौहान ने इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2016 के शुभारंभ दिवस की संध्या में उपस्थित जन को संबोधित कर रहे थे। संध्या का संयोजन संस्कृति विभाग द्वारा नक्षत्र गार्डन में किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह भी मौजूद थीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद अतिथियों के सम्मान में रात्रि भोज हुआ। भोज में विभिन्न राष्ट्रों के डेलीगेट्स, कैप्टन ऑफ बिजनेस एण्ड इंडस्ट्रीज और अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ड्रम्स ऑफ मध्यप्रदेश की प्रस्तुति अद्भुत है। इसमें मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक परम्पराओं को अत्यंत प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने देश-दुनिया में प्रदेश की लोक संस्कृति को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने के लिये कलाकारों की सराहना की। कलाकारों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के प्रभावी प्रयास करेगी। कार्यक्रम में संस्कृति के संज्ञान और अनुभूतियों की ध्वनियों से श्रोताओं ने प्रदेश की लोक एवं जनजातीय अस्मिता के संगीत, विशेष रूप से उसके मर्म और जीवन की लय को महसूस किया। सांस्कृतिक संध्या में ड्रम्स ऑफ मध्यप्रदेश अर्थात मध्यप्रदेश की नाद ध्वनि की परिकल्पनाएँ साकार हुई।

औद्योगिक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान इंदौर में सीईओ कॉन्क्लेव में

जीएसटी लागू होने पर भी उद्योगपतियों को करों में दी जा रही छूट जारी रहेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जीएसटी लागू होने के बाद भी उद्योगपतियों को करों में वर्तमान में दी जा रही छूट जारी रखी जायेगी। श्री चौहान ने इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की पूर्व संध्या पर सीईओ कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सी.ई.ओ. कान्क्लेव में कहा कि मध्यप्रदेश शांति का द्वीप है। प्रदेश सरकार द्वारा सिटीजन चार्टर लागू कर शासन की सभी प्रक्रियाओं को समय सीमा में पूरा करने की व्यवस्था की गयी है। औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में एकल खिड़की प्रणाली लागू की गई है। प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाएँ हैं। मध्यप्रदेश की औद्योगिक विकास दर 10 प्रतिशत और कृषि विकास दर 20 प्रतिशत से भी अधिक है। प्रदेश सरकार की इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली इण्डस्ट्रियल पॉलिसी है। प्रदेश सरकार और वह स्वयं निवेशकों के स्वागत के लिये दिल खोलकर तैयार है। उन्होंने उद्योगपतियों को विश्वास दिलाया कि वह स्वामी विवेकानन्द जी के शिष्य है, जो कहते हैं वह करते हैं। आप विश्वास के साथ मध्यप्रदेश आये, सरकार आपके स्वागत के लिए तैयार खड़ी है। उन्होंने कहा कि समिट का उद्देश्य भी निवेशकों की जिज्ञासाओं का समाधान करना है।

मुख्यमंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश में सवा लाख हेक्टेयर का लेण्ड बैंक है, जिसमें 50 हजार हेक्टेयर विकसित भूमि है। उन्होंने बताया कि किसान अपनी जमीन उद्योग को लीज पर दे सकें, इसके लिये केन्द्र सरकार से कानून में संशोधन करने का आग्रह किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में काम करने वाली कम्पनियों को वेट का 100 प्रतिशत रियम्बर्स किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार पीपीपी मोड पर स्किल डेव्हलपमेंट करने को तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सूक्ष्म और लघु औद्योगिक इकाइयों को भी भरपूर मदद करने को तैयार है।

उद्योग मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि देश में निवेश की बात होती है तो मध्यप्रदेश का नाम सबसे पहले लिया जाता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश सरकार निवेशकों को हर तरह की सुविधा देने के लिये तैयार है। प्रदेश में सुदृढ़ अधोसंरचना तैयार की गई है, जिसमें सड़क, पानी, बिजली जैसी सभी सुविधाएँ सरकार द्वारा तत्परता के साथ औद्योगिक इकाइयों को उपलब्ध करवाई जाएंगी।

इस अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री श्री जयंत मलैया, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग राज्य मंत्री श्री संजय पाठक, मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा, औद्योगिक समूह हिन्दूजा ग्रुप के चेयरमेन श्री जी.पी. हिन्दूजा, आदित्य बिरला ग्रुप के श्री कुमार मंगलम बिरला, वीडियोकॉन ग्रुप के श्री वेणूगोपाल एन. धूत, सीमेंस लिमिटेड के श्री सुनील माथुर, इन्फोसिस ग्रुप के श्री गोपालकृष्णन, अपोलो ग्रुप की सुश्री शोभना सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के सीईओ और सहआयोजक देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ब्राण्ड मध्यप्रदेश का आधार - श्री शिवराजसिंह चौहान का मधुर व्यवहार

भोपाल। ब्राण्ड मध्यप्रदेश का आधार मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान का डायनामिक नेतृत्व और मधुर व्यवहार है। मुख्यमंत्री के चमत्कारिक व्यक्तित्व और संकल्पित कृतित्व ने मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान बनायी है। यह बात इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2016 के शुभारंभ अवसर पर सहज रूप से व्यक्त हुई।समिट के शुभारंभ कार्यक्रम में देश के राजनीतिज्ञों, उद्योगपतियों, निवेशकों और विदेशी प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों सभी ने एक स्वर में कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान की सहजता, सक्रियता, संकल्प शक्ति, समर्पण और कल्पनाशीलता से मध्यप्रदेश ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रान्ड के रूप में स्थापित होने में सफलता हासिल की है। उन्होंने बीमारू मध्यप्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश गंतव्य बना दिया है। इससे देश ही नहीं वरन् विदेशी कपनियाँ भी मध्यप्रदेश में निवेश के लिये इच्छुक हैं। सभी ने अपने वक्तव्य में कहा कि मध्यप्रदेश की विकास दर दो अंक में है। कृषि वृद्धि दर 20 प्रतिशत से अधिक है। महिला सशक्तिकरण और गरीबी उन्मूलन के प्रभावी तथा अधोसंरचना विकास के अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। सरकार भौतिक समृद्धि के साथ ही आध्यात्मिक उन्नति के उत्तरदायित्व को बखूबी निभा रही है।

सम्पादकीय

देश का पहला और अनूठा प्रयास-शौर्य स्मारक

यह पहला और अनूठा प्रयास है। सीमा पर देश की रक्षा करने वाले अमर शहीदों से सीधा और जीवंत साक्षात्कार करवाने का। आम जनता जो शहीदों के प्रति नत-मस्तक तो है, लेकिन उसका कहीं सीधा रिश्ता नहीं जुड़ता उसकी शहादत से। आखिर सीमा पर रक्षा करने में चुनौतियाँ क्या हैं, उसके संघर्ष की गाथा कैसे गड़ी जाती है, जिस पर हम सभी को, पूरे देश को गर्व होता है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इन्हीं कल्पनाओं को साकार रूप दिया है शौर्य स्मारक में। श्री चौहान के अनुसार सिर उठाकर गर्व से जीने का अधिकार उन्हीं को होता है, जिनके सिर देश की आन-बान के प्रहरियों और शहीदों के सम्मान में श्रद्धा से झुकना जानते हैं। यह मध्यप्रदेश का देश की जनता को एक ऐसा उपहार है, जो हमेशा नागरिकों को शहीदों की शहादत की याद दिलवायेगा और राष्ट्र भक्ति और राष्ट्र के लिये हर तरह के त्याग के प्रति हमारे नागरिकों को प्रतिबद्ध बनायेगा।

शौर्य स्मारक भोपाल: राष्ट्र की सुरक्षा में जीवन बलिदान करने वाले शहीदों की पावन स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिये मध्यप्रदेश में शौर्य स्मारक का निर्माण किया गया है। शौर्य स्मारक की परिकल्पना एक पवित्र स्थान को संबोधित करती है, जिसकी विवेचना परम्परागत एलोरा, खजुराहो तथा मोधेरा जैसे भारतीय मंदिरों से की गयी है। इस स्मारक में मंदिर-अक्ष की पवित्रता को अंतिम स्थान (मृत्यु पर विजय) में जीवन बलिदान करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर दर्शाया गया है। शौर्य स्मारक रूप-रंग और सामग्री का सम्मिश्रण ही नहीं, वरन् एक जीवंत अनुभूति प्रदान करेगा। वास्तुविदीय परिकल्पना के अनुसार यहाँ आने वाला प्रत्येक दर्शक अपने निजी अनुभव, संसार और कल्पना के आधार पर शौर्य स्मारक के साथ तादात्मय स्थापित करे तथा ऐसा परिवेश निर्मित हो, जहाँ आगंतुकों के मन में सहज ही शहीदों के प्रति श्रद्धा-भाव जागृत हो, ऐसा प्रयास किया गया है।

वास्तु-कला की दृष्टि से यह स्मारक भवन नहीं, वरन् अ-भवन है। वास्तु-कला की स्थापित परम्परा के विपरीत शौर्य स्मारक का विन्यास, निर्माण-स्थल के भौगोलिक स्वरूप में एकाकार हो जाता है। अरेरा पहाड़ी की भौगोलिक विशेषताओं, उतार-चढ़ाव, चट्टानों के बीच जीवन का उत्सव मनाते वृक्षों को प्रतीकों के रूप में शौर्य स्मारक के रूपांकन में बखूबी प्रयोग किया गया है। चूँकि यह स्मारक ऐसे शहर में स्थित है, जो प्राकृतिक सुंदरता से सराबोर है। इस स्मारक का भू-दृश्यीकरण भोपाल शहर के प्राकृतिक सौंदर्य में और निखार लाया है।

देश के लिये अपने प्राणों का बलिदान देने वालों पर समर्पित यह स्मारक भोपाल नगर के लौह-शिल्प आधारित चिनार पार्क के समीप 12.67 एकड़ (लगभग 51 हजार 250 वर्ग मीटर) भूमि पर बनाया गया है। शौर्य स्मारक का निर्मित क्षेत्रफल लगभग 8,000 वर्ग मीटर है। लागत लगभग 41 करोड़ है।

मेमोरियल: शौर्य स्मारक शहीद की राष्ट्र-सेवा से प्रेरित जीवन-यात्रा का रूपायन है। वास्तुविद ने शौर्य स्मारक को जीवन की विभिन्न अवस्थाओं यथा- जीवन, युद्ध का रंग-मंच, मृत्यु तथा मृत्यु पर विजय, चार प्रांगण की श्रंखला के रूप में, वास्तु कला की स्थापित परम्परा के विपरीत दर्शाया है। इसके रूपांकन में जीवन-मृत्यु, युद्ध-शांति तथा मोक्ष-उत्सर्ग जैसे जटिल अव्यक्त अनुभवों को सरल, सहज तरीके से रूपांकित करने के लिये आकार, रंग-रूप, सामग्री और तकनीक का रोचक ताना-बाना बुना गया है। मेमोरियल की अर्ध भूमिगत संरचना जो पृथ्वी पर दृष्टिगोचर होने से ज्यादा धरती-मग्न है, का पूर्ण उद्देश्य आत्मा से ध्यानपरायण करते हुए केवल आगंतुकों के अंतर्मन को प्रभावित करना है। यह आगंतुकों एवं शहीदों के मध्य संभवत: एक मूक संवाद प्रारंभ करेगा। दर्शक का यह भावनात्मक जुड़ाव एक व्यक्ति की विचार-प्रक्रिया को अग्रता प्रदान करेगा।

जीवन: स्मारक में प्रवेश करते ही पृथ्वी पर जीवन को एक चौकार अथवा सार्वजनिक वर्ग के रूप में दर्शाया गया है। जीवन के उतार-चढ़ाव की तुलना एक एम्फीथियेटर की सीढ़ियों से की गयी हैं, जो पृथ्वी की संगीन एवं शांत रचना को मिट्टी से बनी ईंट, घास तथा जल के रूप में परिभाषित करते हैं।

युद्ध का रंग-मंच: वृत्त का आकार देकर इस वृत्ताकार आँगन को युद्ध की विभीषिका से आहत धरती को दर्शाया गया है। युद्ध की निष्ठुरता से हुए विनाश एवं हानि के कारण मानवता कैसे व्यथित हो उठती है, इसे बखूबी असमतल धरती तथा तराशे हुए स्थानीय पत्थरों से वर्णित किया गया है। इससे दुख और अवसाद की अनुभूति होगी।

मृत्यु: मृत्यु की भयावहता एवं खोई आशाओं को दर्शाने के लिये एक छोटा वर्गाकार क्षेत्र पूरी तौर पर अंधकारमय एवं काला निर्मित किया गया है। इस क्षेत्र में प्रवेश करते ही मृत्यु से उत्पन्न अचानक अंधकार को अनुभव करने का अवसर प्राप्त होगा, केवल एक दीपक की लौ से प्रकाश विद्यमान होगा, जिसके कारण इस क्षेत्र के अंधकार तथा माप से मृत्यु पर विजय की आशा का आभास हो सकता है।

मृत्यु पर विजय: लोगों का विश्वास है कि मृत्यु में शरीर नश्वर है तथापि आत्मा अजर-अमर है। इस अंतिम अनुभूति के क्षेत्र में चूंकि आत्मा अनश्वर है, वास्तुविद ने सादृश्य का उपयोग करते हुए जीवन के इस अलौकिक और शाश्वत सत्य की अनुभूति को जीवंत बनाने के लिये स्मारक परिसर प्रांगण में 2 से 3 मीटर ऊँची धातु की छड़ों को सेना की टुकड़ियों की तरह सुव्यवस्थित रूप से स्थापित किया है।

- पराग वराडपांडे

राज्य सरकार प्रदेश में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये तत्पर

मध्यप्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिये लगातार प्रयासरत है। इसी तारतम्य में प्रदेश में शोध-कार्य करने के लिये नवीन शोध परियोजनाओं को एवं वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय-स्तर पर शोध-पत्रों का वाचन करने के लिये सहयोग दिया जा रहा है। प्रदेश के युवा वैज्ञानिकों को शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिये सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है। युवा वैज्ञानिक कांग्रेस का आयोजन कर प्रदेश के युवा वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया जाता है। खगोलीय विज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के लिये उज्जैन जिले में खगोलीय वेधशाला एवं आधुनिक तारामंडल की स्थापना की गयी है। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् में एडवांस रिसर्च एण्ड इंस्ट्रूमेंटेशन फेसिलिटी के जरिये प्रयोगशालाओं में आधुनिक उपकरणों पर लघु शोध, प्रशिक्षण, मृदा-जल आदि के नमूना परीक्षण की सुविधा प्रदान की गयी है। ओबेदुल्लागंज, जिला रायसेन स्थित प्रो. टी.एस. मूर्ति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्टेशन द्वारा जैविक कृषि, टिश्यूकल्चर, औषधीय पौधों की खेती आदि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गये हैं।

विज्ञान मेले: विज्ञान के लोक-व्यापीकरण के लिए, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति दर्शाने एवं युवाओं को उद्यमी नवाचारी बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तशिल्प के माध्यम से रोजगार करने वालों के व्यवसाय को बढ़ाने के लिये स्थानीय एवं राज्य-स्तर पर विज्ञान मेले लगाये गये हैं।

विद्यार्थियों एवं विज्ञान शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिये शिक्षक दिवस पर मध्यप्रदेश विज्ञान प्रतिभा सम्मान समारोह कर विज्ञान प्रतियोगिताओं में चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत एवं विज्ञान शिक्षकों को नवाचारी विज्ञान शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

विज्ञान मंथन यात्रा: मध्यप्रदेश उत्कृष्टता मिशन में विज्ञान मंथन यात्रा करवाई गयी। इसमें विद्यार्थियों एवं विज्ञान शिक्षकों ने देश एवं प्रदेश की प्रयोगशालाओं एवं वैज्ञानिक संस्थानों में भ्रमण एवं अवलोकन कर संवाद स्थापित किया। विज्ञान मंथन यात्रा के बाद निर्धारित मापदण्डों के आधार पर विद्यार्थियों का चयन कर छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

प्रदेश के कारीगरों एवं शिल्पियों के पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण, कौशल उन्नयन तथा उन्हें नवीन तकनीकी की जानकारी देने के लिये ग्रामीण प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग केन्द्र की स्थापना औबेदुल्लागंज, जिला रायसेन में की गयी है। परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष मध्यप्रदेश कारीगर विज्ञान कांग्रेस करवायी गयी तथा शिल्पियों को प्रशिक्षण दिया गया है। पेटेंट रिसर्च एण्ड इनोवेशन फेसिलिटी में जागरूकता कार्यक्रम कर नवाचारियों को पेटेंट फाइल करने के लिये सहयोग प्रदान किया गया।

महिला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नेटवर्क तैयार: प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है। विगत वर्षों में महिलाओं को शोध परियोजनाओं एवं ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दे कर महिला केन्द्रित कार्यक्रमों को सहयोग किया गया। प्रदेश में महिला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नेटवर्क तैयार किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक/सामाजिक विकास के लिये विभिन्न उद्यमों यथा बाँस, लाख, शहद उत्पादन, माटी शिल्प, जैविक कृषि, खाद्य प्र-संस्करण में क्लस्टर विकास कार्यक्रम किये गये।

सुदूर संवेदन तकनीक: प्राकृतिक संसाधनों के सर्वेक्षण, विकास एवं प्रबंधन में सूदूर संवेदन तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस तकनीक को पूर्व प्रचलित पद्धति के साथ एकीकृत करने पर किसी भी क्षेत्र के बारे में जानकारी कम समय में एवं कम लागत में प्राप्त की जा सकती है। इस तकनीक द्वारा सामूहिक पाइप जल-प्रदाय योजना में त्रि-आयामी उपग्रह चित्रों द्वारा रतलाम जिले के फ्लोराइड प्रभावित ग्रामों के लिये जल-स्रोत से फिल्टर प्लांट तथा उपयुक्त उच्चतम स्थान से गुरुत्वाकर्षण द्वारा ग्राम तक जल पहुँचाने के लिये मानचित्र तैयार किये गये।

दीपावली के बाद शरीर को ऐसे करे डिटॉक्स

हर्षा भटनागर
(रजिस्टर्ड डायटीशियन)

दीवाली हम सब के लिए बहुत बड़ा त्यौहार है हम इस की तैयारी कई दिन पहले से ही शुरू कर देते है जिससे इस पर्व को मनाने में कोई कमी न रह जाये पर त्यौहार पूरा हो जाने के बाद हमें क्या क्या ध्यान में रखना चाहिए इस पर हम कभी ध्यान ही नहीं देते त्यौहार के दिनों मे हर रोज हम अपनी जरूरत से ज्यादा ऊर्जा ग्रहण करते है।

क्योंकि हमारा खान पान एकदम अलग रूप लेता है जैसे नमकीन, गुजिया, सेवैया, शक्कर पारे, नमकिन पारे, समोसा-कचोरी, चकली आदि सभी स्वादिष्ट खाद्य सामग्री भरपूर वसा, शक्कर, मसाला युक्त होने के कारण बहुत ज्यादा कैलोरीज की होती है व शरीर में पाचन क्रिया के बाद फ्री रेडिकल्स को जन्म देती है जिसका की जमाव हमारे स्वास्थ के लिए घातक हो सकता है आइये समझ लेते है इससे बचने के उपाय।

1) सबसे पहले कुछ दिनों के लिए अपने दिन की शुरुवात ग्रीन टी या निम्बू पानी से करे - ये दोनों ही एंटीऑक्सीडेंट से युक्त है (विटामिन सी) जो की शरीर में बढ़े हुए फ्री रेडिकल्स को काम करने में एवं पाचन तंत्र को सुधरने में मदद करेंगे।

2) पौष्टिक एवं एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त ब्रेकफास्ट ले जैसे स्प्राउट्स, स्लाड्स, वेजिटेबल उपमा, वेजिटेबल दलीय, वेजिटेबल ओटस, स्टीम्ड इडली विथ चटनी, मिक्स्ड फ्रूट प्लेट और साथ मे 1 गिलास दूध जरूर पीये ध्यान रखिये अत्याधिक शक्कर एवं तेल के प्रयोग से बचे।

3) पौष्टिक एवं एंटीऑक्सीडेंट युक्त दिन का आहार ले 1 कटोरी दाल बिना तड़के वाली, 1 कटोरी सब्जी कम तेल वाली, 1 कटोरी दही बिना मलाई के दूध से बना हुआ, 2 रोटी बिना घी की, 1 कटोरी ब्राउन राइस और सबसे जरूरी 2 कटोरी मिक्स्ड सलाद (ककड़ी, टमाटर, प्याज, अदरक, लसून और सिरका से बना हुआ)

4) शाम को हल्का नास्ता जैसे मटठा, नीबू पानी, वेजिटेबल जूस, वेजिटेबल सूप, फ्रूट सलाद (अनार, चुकंदर, गाजर, अंगूर को जरूर करे शामिल), मुरमुरा नमकीन आदि।

5) रात का आहार पौष्टिक एवं हल्का ही करे रात का भोजन भी दिन के भोजन के जैसा ही करे बस ध्यान रखे की 8 बजे के पहले ही भोजन ग्रहण कर ले जिससे सोने तक आपको हल्का महसूस हो और अच्छी नींद आये।

6) दिन भर में पानी खूब पीये 9-12 गिलास तक ले जिससे शरीर की गन्दी को साफ करने एवं शरीर से बहार फेकने मे मदद मिल सके पेशाब व पसीने के रूप में हमारे शरीर की गंदगी बाहर जाती है।

7) व्यायाम को दिनचर्या में करे शामिल डेटॉक्स डाइट लेते समय रोजाना एक घंटे व्यायाम जरूर

करे व्यायाम के लिए आप योग, जॉगिंग, वाकिंग, बॉक्सिंग, अपनी कोई भी पसंदीदा चीज कर सकते हैं यह सभी चीजें फायदेमंद है क्योंकि व्यायाम करते समय पसीना के द्वारा सारे टॉक्सिन शरीर से बाहर निकल जाते हैं।

8) सब्जियों को सलाद के रूप में खाये जिन

सब्जियों को आप कच्चा खा सकते हैं जैसे पत्तागोभी, टमाटर, आदि सलाद के रूप में खाये। वैसे तो इन सब्जियों को पकाकर भी खाया जा सकता है। लेकिन पदार्थों को खाएंगे तो ज्यादा अच्छा होगा क्योकि इसमें अधिक मात्रा में पोषक तत्व और एंजाइम्स होते है जो आपके शरीर को ऊर्जा देते हैं।

9) मैडिटेशन भी अपनाये जब आप पूरे शरीर को डिटॉक्स कर रहे हो तो आपके दिमाग का भी डिटॉक्स होना जरूरी है इससे आपके अंदर सकारात्मक सोच भी आती है इसलिए रोजाना 15 मिन मैडिटेशन को भी आपकी दिनचर्या में शामिल करे।

10) डिटॉक्स करते समय इन आहार का सेवन न करे शराब और सिगरेट का सेवन बिलकुल न करे मीठे के सेवन से बचे जैसे शक्कर, शहद या किसी भी तरह का सीरप मैदे से बनी चीजें जैसे ब्रेड, बिसकिट्स, केक्स, पास्ता, सफेद चावल आदि।

सर्दी-जुकाम में दवा खाने से बेहतर है, आप ये एक चीज खाएं...

कई बार ऐसा होता है कि छोटी-मोटी मेडिकल प्रॉब्लम्स अचानक से परेशान करने लगती हैं. ऐसे में न ही मेडिकल फैसिलिटी मौजूद होती है और ना ही कोई घरेलू उपाय अपनाने का मौका मिल पाता है. ऐसे समय आप कुछ ऐसे आसान तरीके आजमां सकते हैं जो आपकी समस्या का समाधान मिनटों में कर देंगे.
आइए जानें, ऐसे ही कुछ हेल्थ टिप्स जिन्हें आप इमरजेंसी में आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं...

1. रोड रेज: अगर गाड़ी चलाते वक्त आपको तनाव महसूस हो रहा है मिंट गम चबाने से आपको राहत महसूस होगी.

अगर आप भी हैं जूस पीने के शौकीन तो आपके लिए हैं ये टिप्स

2. नौजिया: यदि आपको उल्टी जैसा महसूस हो रहा है तो मिंट गम मुंह में रखिए. इससे आपको अच्छा लगेगा.

3. मुंह की बदबू: कुछ का मानना है कि योगर्ट खाने से बदबू की परेशानी दूर हो जाती है क्योंकि इसमें हेल्दी बैक्टीरिया होता है.

4. हिचकी: एक चम्मच चीनी खाने से हिचकी दूर हो जाती है लेकिन यह कुछ लोगों के लिए ही फायदेमंद होता है.

5. दांतों पर पड़े दाग: अगर आपके दांतों पर दाग है तो स्ट्रोबैरी खाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है क्योंकि इसमें एसिड होता है जो दंतों के दाग को मिटा देता है.

6. जुकाम: जुकाम होने पर कच्चा प्याज खाने से आपको राहत मिल सकती है. कच्चे प्याज में फाइबर, सल्फर और विटामिन ए होता है.

पीरियड्स के दौरान बहुत तेज चलता है औरतों का दिमाग...

पीरियड्स का दर्द हर महिला को परेशान करता है. इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव मानसिक रूप से भी परेशान कर देते हैं. पीरियड्स के दौरान Mood Swings और PMS होना आम है लेकिन इसे कई बार औरतों के स्वभाव से भी जोड़कर देख लिया जाता है. हाल में हुई एक स्टडी का कहना है कि पीरियड्स के दौरान महिलाओं का दिमाग ज्यादा एक्टिव हो जाता है. दिमाग का बीच का हिस्सा इंसान की मेमोरी, मूड्स और भावनाओं को उसी तरह बढ़ाता है जैसे कि सेक्स हार्मोन करते हैं.
हालांकि शोधकर्ता अभी जांच कर रहे है कि महिलाओं में हार्मोन्स और मानसिक बदलाव का एस्ट्रोजन लेवल के बढ़ने से क्या कनेक्शन है. एस्ट्रोजन के दौरान ओवरी से एग फैलोपियन ट्यूब में जाता है तो दिमाग की संरचना बड़ी हो जाती है. जैसे ही ऐस्ट्रोजन लेवल धीमा पड़ता है और पीरियड्स स्टार्ट हो जाते हैं, दिमाग भी सिकुड़ जाता है. यह सिर्फ ऐस्ट्रोजन के कारण होता है. महिलाओं के दूसरे सेक्स हार्मोन प्रोस्टेरॉन के बनने के ऐसा समय नहीं होता.
Ma& Planck Institute for Human Cognitive and Brain Sciences के रिसर्चर का कहना है कि यह स्टडी पीरियड्स के दौरान महिलाओं में होने वाले मानसिक बदलावों के पीछे का पता लगाने में मददगार साबित होगी. इस तरह की स्थिति 12 में से एक महिला में देखने को मिलती है. इस रिसर्च की को ऑथर जूलिया सैचर का कहना है कि इस डिसऑर्डर को अच्छी तरह से समझने के लिए हमें महिलाओं के मासिक चक्र का पूरा ध्यान रखना पड़ेगा ताकि? ये पता चल पाए कि एक स्वस्थ महिला का दिमाग इस साइकिल को कैसे फॉलो करता है. जूलिया का मानना है कि इस स्टडी से महिलाओं और पुरुषों के मूड में होने वाले अलग-अलग डिसऑर्डर का पता लगाया जा सकता है. बता दें पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में डिप्रेशन के मामले दोगुना ज्यादा देखने को मिलते है

बस दिन में एक बार खाना है ये फल, और हो जाएगा कमाल...

आजकल सिर्फ अमीर लोग ही नहीं बल्कि बच्चे और यंग लोग भी दिल की बीमारियों और हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी का शिकार हो रहे हैं. इसका सबसे बड़ा कारण है खराब जीवनशैली और खानपान की खराब आदतें. लोग ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करने के लिए दवाओं के साथ ही योग, एक्सरसाइज और भी न जाने कितने ही जतन करते हैं लेकिन एक बार अगर इस समस्या से इंसान ग्रसित हो जाए तो इसे ठीक कर पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है. BP की प्रॉब्लम की वजह से ही आगे चलकर दिल की बीमारियां इंसान को परेशान करने लगती हैं. इन सब से निजात पाने के लिए अगर रोज सुबह एक सेब खाया जाए तो शरीर को पूरी तरह स्वस्थ रखा जा सकता है. सेब खाने से बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस रहते हैं और इसी के साथ ही इसमें मौजूद फाइबर और विटामिन शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं. अगर आपको लो बीपी की समस्या है तो तुरंत के सेब खा लें. ऐसा करने से शरीर को इंस्टेंट एनर्जी मिलेगी और आपका बीपी भी नॉर्मल हो जाएगा. सेब शरीर में सोडियम की मात्रा को भी बढ़ाकर किडनी पर पड़ने वाले प्रेशर को भी कम कर देता है. इसी के साथ जिन लोगों को डायबिटीज की शिकायत है उन्हें भी रोज सेब खाना चाहिए. सेब को अपनी डेली डाइट का हिस्सा बनाएं. फिर आप चाहें तो इसे सुबह नाश्ते में खाएं या फिर आप इसे सलाद में भी खा सकते हैं. सेब को शाम के बाद या रात को खाना खाने के बाद खाने से बचें.

दूसरों की हैंडराइटिंग पढ़ कर कैसे बनाएं अपना करियर...

हम सभी को लिखना-पढ़ना पसंद है और हो भी क्यों न? हमारी पीढ़ी को हमेशा से ही पढ़ने-लिखने के फायदे गिनाए जाते रहे हैं कि कैसे फलां पढ़-लिख कर बड़ा आदमी बन गया. कैसे उसके पास कभी दो जून की रोटी नहीं हुआ करती थी और आज वह हजारों लोगों के जीने की वजह बन गया है. चलिए हम भी आपको पहेलियां बुझाना बंद कर देते हैं. आज हम आपको ग्राफोलॉजी (राइटिंग की टेक्निक पकड़ने) के बारे में बताने जा रहे हैं.

ग्राफोलॉजी एक ऐसी विधा(टेक्निक) है जिसमें इसका एक्सपर्ट लोगों की लिखावट के आधार पर लोगों के व्यक्तित्व व कार्यशैली का पता लगाता है. इसके तहत लोगों के भावनात्मक स्तर , कमजोरी, मजबूती, संशय, पसंद और नापसंद का पता चलाया जाता है.

ग्राफोलॉजिस्ट बनने के लिए जरूरी काबिलियत?

ग्राफोलॉजी एक्सपर्ट किसी इंसान के सिग्नेचर, लिखने का स्टाइल , किन्हीं शब्दों के बीच के गैप और शब्दों के झुकाव के पैटर्न की स्टडी करते हैं. जैसे कोई शख्स कितने बड़े वाक्य लिखता है. उसके लिखे शब्द एक पैटर्न में हैं कि नहीं. आपको छोटी-छोटी चीजों का खयाल रखना पड़ता है. इसके अलावा इस क्षेत्र में हाथ आजमाने की इच्छा रखने वाला खुद को मानसिक तौर पर तैयार करे तो बेहतर होगा.

नौकरी के मौके?

ग्राफोलॉजी को आज यंग जनरेशन कई तौर-तरीकों से अपना रही है. जैसे कि टीम बिल्डिंग, काउंसिलिंग और चाइल्ड ग्रोथ. वे कई बार लोगों के साथ होने वाली मानसिक दिक्कतों के भी सॉल्यूशन इनके भीतर खोजते हैं. रिसर्च बताते हैं कि लोग अपनी राइटिंग में बदलाव लाकर अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव ला सकते हैं.

करियर ऑप्शन?

कॉरपोरेट घराने और कंसलटेंट सर्विस अपने यहां ग्राफोलॉजिस्ट हायर करती हैं ताकि वे अपने यहां सुलझे लोगों को नौकरी पर रख सकें. वे उनकी मदद से लोगों के व्यक्तित्व का आकलन करते हैं कि आगे के काम में अगला शख्स उनका किस प्रकार मददगार होगा.

फोरेंसिक जांच के लिए भी अलग-अलग संगठन ग्राफोलॉजी स्पेशलिस्टों को हायर करती है ताकि वे क्रिमिनल केस सॉल्व कर सके. कोर्ट और पुलिस महकमा भी समय-समय पर इन स्पेशलिस्ट्स की मदद लेता है.

वे कई बार सही-गलत हस्ताक्षर व हैंडराइटिंग को पहचानने के लिए इस्तेमाल में लाए जाते हैं. इसके अलावा कई स्कूल भी इनकी मदद से स्टूडेंट्स की कार्यक्षमता में इजाफे की कोशिश करते हैं.

कहां से करें कोर्स?

आज हमारे देश में ऐसे कई संस्थान हैं जहां इस स्किल से जुड़े कोर्स

जैसे डिग्री-डिप्लोमा कराए जाते हैं. कोलाकाता का ग्राफोलॉजी संस्थान, कोलकाता का एजुकेशन व डेवलपमेंट प्रोग्राम, मुंबई का अंतरराष्ट्रीय ग्राफोलॉजी रिसर्च सेंटर उनमें शामिल हैं.

कितनी हो सकती है कमाई?

अब यह तो किसी एक्सपर्ट और उसके स्किल के आधार पर तय होता है कि अगला कितना पैसा कमा सकेगा. एक बढ़िया ग्राफोलॉजिस्ट घंटे के 1000 रुपये तक कमा सकता है. इसमें फ्रीलांस करने वाले 25,000 रुपये प्रतिमाह तक कमा सकते हैं. किसी एजेंसी के साथ जुड़ने पर यह कमाई 40,000 प्रतिमाह तक हो सकती है.

लाखों की सैलरी कमा सकते हैं रोबोटिक्स में

जमाना हाईटेक हो रहा है और इसके साथ ही पढ़ाई के मौके भी हाईटेक होते जा रहे हैं. पारंपरिक इंजीनियरिंग डिग्री के अलावा अब आधुनिक कोर्स भी चलन में है. ऐसे में रोबोटिक्स करियर और सैलरी के मामले में बेहतरीन कोर्स साबित हो सकता है.

रोबोटिक्स की पढ़ाई, इंस्टीट्यूट और नौकरी के बारे में जानिए सब कुछ...

रोबोटिक्स क्या है?

यह एक औटोमेटिक मैकेनिकल डिवाइस है जो कंप्यूटर प्रोग्राम या इलेक्ट्रॉनिक मशीनों की मदद से वो काम करता है जिसे आप असाइन करते हैं. यह एक ऐसा सिस्टम है जिसमें सेंसर्स, कंट्रोल सिस्टम, मेनुपुलेटर्स, पावर सप्लाई और सॉफ्टवेयर सभी चीजें होती हैं.

रोबोटिक्स में अगर स्टडी की बात करें तो यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस का एक हिस्सा होता है. इन इंजीनियरिंग के ब्रांच में रोबोट के डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, पावर सप्लाई, इंफोर्मेशन प्रोसेसिंग और सॉफ्टवेयर पर काम होता है.

रोबोटिक्स में स्कोप: इस फील्ड में स्टूडेंट को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर एडेड मैन्यूफैक्चरिंग, कंप्यूटर, इंटिग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिस्टम, कंप्यूटर ज्योमेट्री, रोबोट मोशन प्लानिंग, डिजीटल इलेक्ट्रॉनिक्स और माइक्रो प्रोसेसिंग में ट्रेन किया जाता है. आधुनिक समय में रोबोट से काम करवाना मनुष्य की जरूरत भी है. रोबोट का उपयोग भारीभरकम काम कराने या न्यूक्लियर कचड़ो को निपटाने के लिए किया जाता है.

करियर बनाने के अवसर: इस फील्ड के उम्मीदवारों को नासा, प्राइवेट इंडस्ट्रीज, ऑटोमोबाइल्स और इंडस्ट्रीयल टूल्स में जॉब मिलने की उम्मीद रहती है. वे स्टूडेंट्स जिन्होंने रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी की पढ़ाई टेक्निकल स्कूल या कॉलेज से किया है वे रोबोट टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर कंट्रोल्ड मशीन प्रोग्रामिंग, रोबोटिक सेल्स में भी नौकरी पा सकते हैं. अगर आपने इस फील्ड के स्किल्स को अच्छे से सीखा है तो आपकी शुरुआती सैलरी 50 हजार से 1 लाख तक के बीच हो सकती है.

जॉब रोल्स:

रोबोटिक साइंटिस्ट, रोबोटिक इंजीनियर, रोबोटिक टेक्नीशियन, कौन कर सकता है यह कोर्स:

साइंस स्ट्रीम में 12वीं पास करने वाले उम्मीदवार मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस जैसे कोर्सेज में इसकी पढ़ाई कर सकते हैं. वहीं बैचलर डिग्री हासिल करने के बाद रोबोटिक्स में मास्टर कर सकते हैं.

केरियर की संभावनाओं से लबरेज डेयरी टेक्नोलॉजी

करीब एक दशक पहले तक लगभग 5 फीसदी दूध डेयरी फार्म से उत्पादित होता था, लेकिन अब यह बढकर करीब 15 फीसदी हो गया है.ऐसे में इस फील्ड में करियर बनाने के लिए संभानाएं बढ़ गई हैं. इस फील्ड में भारत के विकास का अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि अमेरिका के बाद भारत दूध उत्पादन में दूसरे नंबर पर है.

डेयरी टेक्नोलॉजी से जुडे प्रोफेशनल का काम दूध उत्पादन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट, डिस्ट्रीब्यूशन से जुडा होता है.

योग्यता: डेयरी उद्योग में भविष्य संवारने के लिए डेयरी टैक्नोलॉजी में बी.टेक., बी.एससी., एम.टेक, एम.एससी. और पी.एचडी. कर सकते हैं. बी.एससी. 3 साल, बी.टेक. 4 साल और एम.एससी. 2-2 साल के कोर्स होते हैं. बी.टेक. में एडमिशन के लिए 12वीं में साइंस सब्जेक्ट होना जरूरी है .

जरूरी स्किल: डेयरी टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के इच्छुक लोगों की रुचि साइंस में होनी जरूरी है. काम के प्रति समर्पित और नई चीजों को जानने की कोशिश करते रहें. सबसे जरूरी है कि इन लोगों को शहर की सुख-सुविधाओं से गांवों में भी जीवन जीने का आदी होना चाहिए.

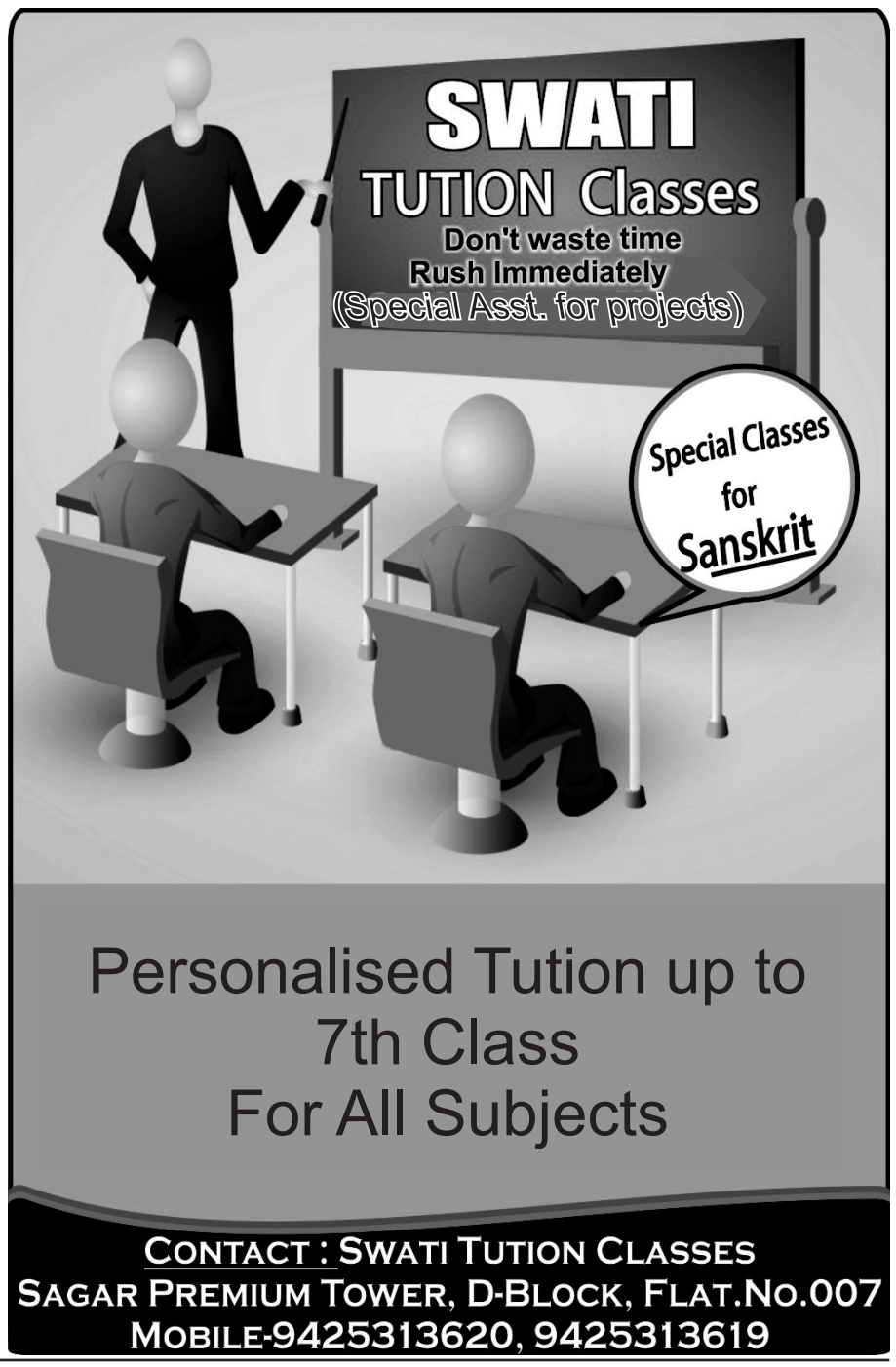

संतान की लंबी उम्र के लिए कीजिए यह व्रत

अहोई अष्टमी का व्रत अहोई आठें के नाम से भी जाना जाता है।

यह व्रत कार्तिक मास कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि के दिन जिन स्त्रियों की संतान हैं उनके द्वारा यह व्रत किया जाता है। अहोई अष्टमी का पर्व मुख्य रुप से अपनी संतान की लंबी आयु की कामना के लिए किया जाता है।

अहोई अष्टमी व्रत संक्षिप्त विधि

संतान की शुभता बनाए रखने के लिए क्योकि यह उपवास किया जाता है। इसलिए इसे केवल माताएं ही करती है। मान्यता के अनुसार इस दिन से दीपावली महोत्सव का आरंभ माना जाता है। अहोई अष्टमी के उपवास को करने वाली महिलाएं इस दिन प्रातःकाल में उठकर, एक कोरे करवे (मिट्टी का बर्तन) में पानी भर कर माता अहोई की पूजा करती है।

पूरे दिन बिना कुछ खाए व्रत किया जाता है। शाम में में माता को फलों का भोग लगाकर, फिर से पूजन किया जाता है तथा सांयकाल में तारे दिखाई देने के समय अहोई का पूजन किया जाता है।

तारों को करवे से अर्ध्य दिया जाता है। और गेरूवे रंग से दीवार पर अहोई माता की आकृति बनाई जाती है, जिसका सांयकाल में पूजन किया जाता है। कुछ मिठाई बनाकर, माता को भोग लगा कर संतान के हाथ से पानी पीकर व्रत का समापन किया जाता है। अहोई व्रत के दिन व्रत करने वाली माताएं प्रातः उठकर स्नान करे, और पूजा पाठ करके अपनी संतान की दीर्घायु व सुखमय जीवन हेतू कामना करती है। और माता अहोई से प्रार्थना करती है, है माता मैं अपनी संतान की उन्नति, शुभता और आयु वृद्धि के लिये व्रत कर रही हूं, इस व्रत को पूरा करने की आप मुझे शक्ति दें।

यह कर कर व्रत का संकल्प लें। एक मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से संतान की आयु में वृद्धि, स्वास्थय और सुख प्राप्त होता है। साथ ही माता पार्वती की पूजा भी इसके साथ-साथ की जाती है। क्योंकि माता पार्वती भी संतान की रक्षा करने वाली माता कही गई है।

उपवास करने वाली स्त्रियों को व्रत के दिन क्रोध करने से बचना चाहिए। और उपवास के दिन मन में बुरा विचार लाने से व्रत के पुन्य फलों में कमी होती है. इसके साथ ही व्रत वाले दिन, दिन की अवधि में सोना नहीं चाहिए। अहोई माता की पूजा करने के लिये अहोई माता का चित्र गेरूवे रंग से मनाया जाता है। इस चित्र में माता, सेह और उसके सात पुत्रों को अंकित किया जाता है। संध्या काल में इन चित्रों की पूजा की जाती है।

सायंकाल की पूजा करने के बाद अहोई माता की कथा का श्रवण किया जाता है। तारे निकलने पर इस व्रत का समापन किया जाता है। तारों को करवे से अर्ध्य दिया जाता है। और तारों की आरती उतारी जाती है। इसके पश्चात संतान से जल ग्रहण कर, व्रत का समापन किया जाता है!

पति की दीर्घायु के लिए कीजिए वट सावित्री व्रत

ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि को हिन्दू महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन व्रत रखकर वट वृक्ष के नीचे सावित्री, सत्यवान और यमराज की पूजा करने से पति की आयु लंबी होती है और संतान सुख प्राप्त होता है।

मान्यता है कि इसी दिन सावित्री ने यमराज के फंदे से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी।भारतीय धर्म में वट सावित्री अमावस्या स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। मूलतः यह व्रत-पूजन सौभाग्यवती स्त्रियों का है। फिर भी सभी प्रकार की स्त्रियां (कुमारी, विवाहिता, विधवा, कुपुत्रा, सुपुत्रा आदि) इसे करती हैं। इस व्रत को करने का विधान ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तथा अमावस्या तक है। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं इस व्रत में सबसे अधिक महत्व चने का है। बिना चने के प्रसाद के यह व्रत अधूरा माना जाता है।

भारतीय महिलाये प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा के अनुसार अपने पति के दीर्घ जीवी होने के लिए बरगद के पेड़ की पूजा और व्रत करती है,एक तरफ लोग बरगद (वट) के पेड़ की पूजा करती है और दूसरी तरफ लोग बरगद की टहनी तोड़कर अपने घरों में पूजा करते है जो गलत है ऐसा करने से बचे।

स्कन्दपुराण में कहा गया है, अश्वत्थरूपी विष्णुः स्याद्वरूपी शिवो यतः

अर्थात् पीपलरूपी विष्णु व जटारूपी शिव हैं। वट वृक्ष की जड़ों में ब्रह्मा जी, तने में विष्णु और डालियों एवं पत्तों में शिव का वास है। इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा कहने और सुनने से मनोकामना पूरी होती है। अतः किसी मंदिर में या बरगद (वट) के पेड़ के नीचे बैठ कर ही इस दिन व्रत पूजा करे न की टहनी तोड़कर अपने घर में। अग्निपुराण के अनुसार बरगद उत्सर्जन को दर्शाता है। इसीलिए संतान के लिए इच्छित लोग इसकी पूजा करते हैं।

इस दिन के लिए विशेष उपाय : जिन कन्याओं की शादी में रुकावटे आ रही है वो आज के दिन बरगद के पेड़ में कच्चा दूध चढ़ाये और गीली मिटटी से माथे पर टिका लगाये।

कुंडली में पितृ बाधा के निवारण के लिए नदी के किनारे या किसी धर्म स्थल पर पीपल या बरगद का पेड़ लगाये और उसे रोजाना जल से सींचे जैसे जैसे पेड़ बड़ा होता रहेगा घर में खुशिया आती रहेगीं।

कुंडली में सूर्य की मजबूती दिलाएगी सम्मान...

ूर्यदेव की वजह से इस धरती पर पेड़-पौधे हम आप हैं. सूर्य देव की वजह से ही ये धरती जीवजंतुओं के रहने लायक है. ऐसे में कुंडली पर भी सूर्य का असर बहुत गहरा होता है. सूर्य की मजबूती से कुंडली के जातक को तेज प्राप्त होता है. सूर्य की कमजोर किसी को भी राजा सक रंक बना सकती है.

जीवन पर सूर्यदेव का असर

सारे संसार की ऊर्जा और प्रकाश का कारण सूर्य ही हैं. राज्य, औषधि, पिता और खाने-पीने की चीजों का कारक हैं. सूर्य मजबूत होने पर मनुष्य यशस्वी और सम्पन्न होता है और कमजोर होने पर व्यक्ति दुर्बल, रोगी और निर्धन होता है. हृदय रोग, आंखों की गंभीर समस्या और रोग के पीछे सूर्य ही होता है. सूर्य के कारण व्यक्ति को राजकीय सेवा भी हासिल होती है.

उपाय जिनसे सूर्य होंगे मजबूत

सूर्यदेव का आशीर्वाद आपको जीवन में हर वो सुख दिला सकता है जिसकी आप सिर्फ कल्पना ही किया करते थे. लेकिन उसके लिए जरूरी है कि आप सूर्यदेव की उपासना करें और कुंडली में उनकी स्थिति को मजबूत करने के उपाय करें.

- सूर्य को मजबूत करने का सबसे आसान तरीका सूर्य को अर्घ्य देना है. इसके अलावा सूर्य के मंत्र जाप भी काफी प्रभावशाली होता है.
- मन्त्रों के अलावा सूर्य के नामों की स्तुति भी विशेष कारगर होती है.
- सूर्य की स्तुति में इनके इक्कीस नामों का उल्लेख किया गया है.
- इन नामों को हर रोज सुबह पढ़ने से सूर्य मजबूत होते हैं.
- व्यक्ति को सूर्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है.

सूर्य के चमत्कारी 21 नाम

सूर्यदेव के कुछ ऐसे चमत्कारी नाम हैं जिनको अगर जप लिया जाए तो ज्योतिषी कहते हैं कि इसके अदभुत परिणाम मिलते हैं. चलिए हम आपको उन 21 नामों के बारे में बताते हैं.

1. विकर्तन
2. विवस्वान
3. मार्तण्ड
4. भास्कर
5. रवि
6. लोकप्रकाशक
7. श्रीमान
8. लोकचक्षु
9. गृहेश्वर
10. लोकसाक्षी
11. त्रिलोकेश
12. कर्ता
13. हर्ता

14. तमिस्त्रहा
15. तपन
16. तापन
17. शुचि
18. सप्ताश्ववाहन
19. गभस्तिहस्त
20. ब्रह्मा
21. सर्वदेवनमस्कृत

सूर्य के नामों का जपने के तरीका

- सुबह नहाने के बाद सूर्य को जल अर्पित करें.
- इसके बाद वहीँ पर खड़े होकर सूर्य के इक्कीस नाम पढ़ें.
- फिर अपनी प्रार्थना कहें. आपको सूर्य की कृपा हासिल होगी.

देशभक्ति बनाम कला

उरी हमले के बाद बॉलीवुड में पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन लगाने का मुद्दा लगातार बढ़ता जा रहा है। देखते ही देखते पूरा बॉलीवुड इस मसले पर दो खेमों में बट गया है। एक खेमा है गजेंद्र चौहान, हेमा मालिनि और अभिजीत भट्टाचार्य का जो इस मुद्दे पर पाकिस्तानी कलाकारों के खिलाफ है तो दूसरा खेमा है अनुराग कश्यप, सलमान खान, प्रियंका चोपड़ा, अभय देओल और करण जौहर का जो इस मुद्दे पर पाकिस्तानी कलाकारों के साथ है।

जो प्रतिबन्ध के खिलाफ है उनकी सोच है की अगर भारत पाकिस्तान पर कुछ प्रतिबंध लगाना चाहता हैं, तो पूरी तरह उससे दूरी बना कर रखें। सिर्फ पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध मत लगाइए। पाकिस्तान से होने वाले व्यापार पर भी बैन लगाइए, वहां से आने वाली चीजों पर प्रतिबंध लगाइए। अगर हम कोई काम आधा ही करते हैं, तो हमे कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। इसलिए वो भी केंद्र सरकार को गंभीरता से नहीं लेते। इनके अनुसार अभी जो मोदी सरकार कर रही है वो मात्र एक पब्लिसिटी स्टंट है।

जानी-मानी बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा की आज आप पाकिस्तानी कलाकारों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। कल को आप बांग्लादेशी लेखकों पर प्रतिबंध लगाएंगे। आप अपने साथ ही रहेंगे। विशुद्ध भारतीय रक्त वाले। हिटलर के रक्त की शुद्धता के विचार की तरह। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी का नेतृत्व कर चुके हिटलर ने नाजीवाद के तहत विशुद्ध आर्य नस्ल के विचार को रखा था। इसकी वजह से लाखों यहूदियों की हत्या की गई थी और मिश्रित विवाहों पर प्रतिबंध लगाया गया था।

वही प्रतिबन्ध के पक्ष वाले खेमे से अभिजीत ने ट्वीट कर निशाना साधा था। अभिजीत ने अपने ट्वीट में लिखा- देशभक्तों तैयार रहो! इन गद्दारों से निपटने के लिए जल्द हम एक संस्था बनाएंगे और नरेंद्र मोदी और इंडियन आर्मी पर कमेंट करने के लिए नहीं छोड़ेंगे।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री वेंकैया नायडू ने भी कहा कि सरकार ने पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने को लेकर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है, लेकिन फिल्म निर्माताओं को उन्हें काम देते समय लोगों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। नायडू का कहना है कि सैद्धांतिक तौर पर वह दूसरे देशों के कलाकारों के भारत में काम करने पर रोक लगाने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में जब परोक्ष युद्ध चल रहा हो और आपका पड़ोसी नियमित तौर पर आतंकवादियों को प्रोत्साहित कर वित्तीय मदद देकर आपको भड़का रहा हो और हजारों लोगों और आपके जवानों को मार रहा हो, तो इस तरह की स्थिति में यदि आप ऐसी चर्चा में पड़ते हैं कि कला हमारा अधिकार है तो उससे लोगों को दुख पहुंचेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने पाकिस्तानी कलाकारों और फिल्मों को भारत में बैन किए जाने के मुद्दे का समर्थन करते हुए कहा कि उनके लिए देश सबसे पहले है, कला और संस्कृति नहीं। अंबानी ने कहा, मैं इस मामले में बिल्कुल स्पष्ट हूं- मेरे लिए देश हमेशा सर्वोपरि है। मैं बुद्धिजीवी नहीं हूं इसलिए मैं सभी चीजों को नहीं समझता। बेशक सभी भारतीयों की तरह भारत मेरे लिए सबसे पहले है।

वही दूसरी और पाकिस्तानी सरकार ने देश में सलमान खान की फिल्मों पर बैन लगा दिया है। उनका कहना है कि पाक में सलमान खान की कोई फिल्म नहीं दिखाई जाएगी। इसके साथ ही पाकिस्तान की इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेशन अथॉरिटी (PEMRA) ने 15 अक्टूबर के बाद से भारतीय टीवी चैनल की ब्रॉडकास्टिंग पर भी रोक लगा दी है। अथॉरिटी का आदेश है कि अगर कोई केबल ऑपरेटर इस बात को नहीं मानता है तो उसके खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा। सलमान पर लगे बैन की खबर पाकिस्तानी अखबार द नेशन में छपी है। सलमान खान ने फिलहाल इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। इसके जवाब में मुंबई फिल्म फेस्टिवल के आयोजकों ने भी फेस्टिवल के दौरान दिखाई जाने वाली पाकिस्तानी फिल्मों पर रोक लगा दी है। यह अंतहीन सिलसिला है पर सवाल ये है की क्या सही है?

इसमें कोई दो राय नहीं हे की राष्ट्र से बढ़कर और कुछ नहीं। शहीद हनुमंथप्पा होने का सौभाग्य तो सबको नहीं मिल सकता पर जिसको जब भी अवसर मिले उसे देश के लिए कुछ करना चाहिये और नहीं कर पाए तो सोचना जरूर चाहिये। उरी हमले की शहादत के बदले जो भी कुर्बानी देशवासियो को देनी पड़े देनी चाहिए, पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन तो बहुत ही छोटी बात है। हर देशवासी का यह कर्तव्य है कि वह अपनी सरकार और सेना का साथ दे। बॉर्डर पर शहीद होने वाला भी किसी माँ का बच्चा ही होता हे जो भारत माता के लिए अपनी जान के अलावा उसके परिवार का भविष्य भी दाँव पर लगाता है। वो हर बात सही है जिससे आतंकवाद खत्म हो और हमारे सैनिको का हौसला बड़े।

अजय सिसोदिया

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)